

नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

1 अगस्त से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 25 फीसदी टैरिफ और अतिरिक्त जुर्माने की घोषणा वैश्विक व्यापार-नीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। यह निर्णय न केवल भारत-अमेरिका के बीच संबंधों को चुनौती देता है, बल्कि एक अमेरिकी वैश्विक शक्ति के रूप में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता पर भी सीधा प्रहार करता है। इस फैसले को ट्रंप की नीति का मूल 'अमेरिका फर्स्ट' के परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए, जहां स्वदेशी उद्योगों की रक्षा के नाम पर संरक्षणवाद को प्राथमिकता दी जाती रही है।

भारत पर लगाए गए 25 फीसदी टैरिफ और रूस से सैन्य एवं ऊर्जा व्यापार पर लगाए गए जुर्माने केवल व्यापारिक नाराजगी नहीं हैं, ये एक रणनीतिक दबाव की भू-भौगोलिक अभिव्यक्ति हैं। ट्रंप ने यह आरोप लगाया कि भारत की टैरिफ संरचना विश्व में सबसे ऊंची है और उसमें 'गैर-मौद्रिक व्यापार बाधाएं' भी विद्यमान हैं, दरअसल, यह तर्क अमेरिकी घरेलू औद्योगिक लॉबी को संतुष्ट करने का एक प्रयास भी है, खासकर चुनौती वर्ष

ट्रंप का टैरिफ : आर्थिक संबंधों को चुनौती

की पुष्टि है, जब अमेरिकी मतदाता नोकरियों और घरेलू उत्पादन के मुद्दों को प्राथमिकता देते हैं, भारत सरकार की प्रारंभिक प्रतिक्रिया संतुलन और संयम की परिचायक रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने न केवल अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा की प्रतिबद्धता दोहराई है, बल्कि यह भी स्पष्ट किया है कि भारत संवाद और परस्पर सम्मान के सिद्धांतों पर आधारित द्विपक्षीय समझौते के लिए प्रतिबद्ध है। यह दृष्टिकोण रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत उचित है, क्योंकि भारत की निर्यात संरचना अमेरिकी बाजारों पर काफी हद तक निर्भर करती है, विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटो कंपोनेंट्स, इस्पात, गहने और समुद्री उत्पादों के संदर्भ में। यह ध्यान रखना होगा कि भारत-रूस रक्षा और ऊर्जा संबंध दशकों पुराने हैं और एक व्यापक रणनीतिक स्वायत्तता की नींव पर आधारित हैं।

अमेरिका के लिए यह स्वीकार करना कठिन

हो सकता है कि भारत, यूक्रेन संघर्ष के बावजूद, रूस के साथ संतुलित व्यवहार बनाए रखे। किंतु भारत की विदेश नीति का मूलभूत सिद्धांत 'स्वायत्त रणनीतिक साझेदारी' रहा है, जो किसी एक ध्रुवीय दबाव के आगे झुकना स्वीकार नहीं करता। इस संदर्भ में ट्रंप का निर्णय भारत को रूस से दूर करने का एक आर्थिक हथियार हो सकता है, किंतु यह दबाव भारत जैसे उभरते हुए लोकतंत्र पर दीर्घकालिक रूप से प्रभावी नहीं होगा। इसके विपरीत, यह अमेरिका की 'विश्वसनीय साझेदार' की छवि को धूमिल कर सकता है, सकारात्मक पक्ष यह है कि 1 अगस्त से प्रभावी टैरिफ स्थायी नहीं, बल्कि अस्थायी स्वरूप के हैं और अगस्त के अंत में भारत में प्रस्तावित अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की यात्रा इस दिशा में संवाद के द्वार खोल सकती है। ट्रंप प्रशासन को यह समझना होगा कि भारत न चीन है, जिसे केवल निर्यात-आधारित

अर्थव्यवस्था के तौर पर देखा जाए, और न ही वह रणनीतिक दृष्टि से इतना लचीला है कि अपनी नीति अचानक बदले, भारत के साथ आर्थिक सहयोग को प्रतिस्पर्धा नहीं, साझेदारी के रूप में देखना होगा।

डोनाल्ड ट्रंप का यह निर्णय अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए उठाया गया प्रतीत होता है, किंतु इसके दीर्घकालिक भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक परिणाम हो सकते हैं। भारत को इस संकट को अवसर में बदलने की आवश्यकता है—एक ओर आत्मनिर्भरता को दिशा में आगे बढ़ते हुए, दूसरी ओर वैश्विक सहयोग की संभावनाओं को बनाए रखते हुए। भारत और अमेरिका के संबंध केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं, वे लोकतांत्रिक मूल्यों, तकनीकी नवाचार और वैश्विक स्थिरता के साझा उद्देश्य में भी जुड़े हैं। यदि इन मूल्यों को प्राथमिकता दी जाए, तो यह अस्थायी व्यापारिक असहमति, भविष्य में एक नए और अधिक परिष्कृत संबंध की ओर अग्रसर हो सकती है।

पुण्यतिथि पर विशेष

स्वराज के प्रति जागृति और लोकमान्य तिलक



सुरेन्द्र शर्मा

प्रदेश कार्य समिति सदस्य
भारतीय जनता पार्टी (म.प्र.)

भारतीय स्वाधीनता के आंदोलन का जब भी स्मरण किया जाएगा उसमें भारतीय स्वराज एवं स्वधर्म के प्रति स्वाभिमान का जिएरण करने के लिए बाल गंगाधर तिलक

जीवन एक आदर्श है और भारत के स्वर्णिम इतिहास का प्रतीक है।

बाल गंगाधर तिलक का जन्म 23 जुलाई 1856 को महाराष्ट्र के रत्नागिरी में हुआ था तिलक के पिताजी का नाम गंगाधर रामचंद्र तिलक था वह संस्कृत के प्रकांड विद्वान और प्रख्यात शिक्षक थे उनकी माता जी का नाम पार्वतीबाई गंगाधर था वह एक वधे एक विदुषी महिला और आदर्श ग्रहणी थी तिलक के पिता अपने समय के अत्यंत लोकप्रिय शिक्षक थे उन्होंने त्रिकोणमिति और व्याकरण पर पुस्तक लिखी जो प्रकाशित हुई तथापि वह अपने पुत्र की शिक्षा पूरी करने के लिए अधिक समय तक जीवित नहीं रहे 1872 में श्री गंगाधर रामचंद्र तिलक का निधन हो गया

बाल गंगाधर तिलक अपने पिता की मृत्यु के कारण मात्र 16 वर्ष की अवस्था में अनाथ हो गए उन्होंने तब भी बिना विचलित हुए अपनी शिक्षा जारी रखी और पिता की मृत्यु के 4 महीने के अंदर ही आयोजित मेट्रिक परीक्षा पास कर ली। वे डेक्कन कॉलेज में भर्ती हो गए फिर उन्होंने 1876 में बी ए ऑनर्स की परीक्षा वहीं से पास की सन 1879 में उन्होंने मुंबई विश्वविद्यालय के सरकारी लॉ कॉलेज से एलएलबी की डिग्री पूर्ण की ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी करने के बाद



सुरेन्द्र शर्मा

समझौता वादी नहीं सामर्थ्यवान नेता थे इतिहासकार उन्हें उग्रवादी विचारों का नेता कहते हैं वह कांग्रेस में लाला लाजपत राय स्वयंभू के अत्यंत लोकप्रिय शिक्षक थे उन्होंने त्रिकोणमिति और व्याकरण पर पुस्तक लिखी जो प्रकाशित हुई तथापि वह अपने पुत्र की शिक्षा पूरी करने के लिए अधिक समय तक जीवित नहीं रहे 1872 में श्री गंगाधर रामचंद्र तिलक का निधन हो गया

उन्होंने एक निजी विद्यालय में अध्यापन का कार्य भी किया उसके बाद उन्होंने पत्रकारिता का मार्ग चुना।

बालगंगाधर तिलक 1890 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हुये लेकिन कभी भी कांग्रेस का नेतृत्व करने का अवसर उन्हें नहीं दिया गया क्योंकि वह

समझौता वादी नहीं सामर्थ्यवान नेता थे इतिहासकार उन्हें उग्रवादी विचारों का नेता कहते हैं वह कांग्रेस में लाला लाजपत राय स्वयंभू के अत्यंत लोकप्रिय शिक्षक थे उन्होंने त्रिकोणमिति और व्याकरण पर पुस्तक लिखी जो प्रकाशित हुई तथापि वह अपने पुत्र की शिक्षा पूरी करने के लिए अधिक समय तक जीवित नहीं रहे 1872 में श्री गंगाधर रामचंद्र तिलक का निधन हो गया

उपाधि मिली तिलक को 18 महीने की सजा सुनाई गई जहां उन्होंने पहली बार स्वराज के विचारों को विकसित किया। तिलक जी ने जेल में अध्ययन का क्रम जारी रखा और बाहर आकर फिर से आन्दोलन में कूद गये। तिलक जी एक अच्छे पत्रकार भी थे, उन्होंने अंग्रेजी में 'मराठा तथा मराठी में 'केसरी' साप्ताहिक अखबार निकाला। इसमें प्रकाशित होने वाले विचारों से पूरे महाराष्ट्र और फिर देश भर में स्वतन्त्रता और स्वदेशी की ज्वाला

भभक उठी। युवक वर्ग तो तिलक जी का दीवाना बन गया। लोगों को हर सप्ताह केसरी की प्रतीक्षा रहती थी। अंग्रेज इसके स्पष्टवादी समापदाकी आलाखों से तिलकिला उठे. बंग-भंग के विरुद्ध हो रहे आन्दोलन के पक्ष में तिलक जी ने खूब लेख छापे.

30 अप्रैल 1908 को खुदौराम बोस और प्रफुल्ल चंद्र चाकी ने हुए किंग्सफोर्ड को अपना निशाना बनाते हुए एक बम विस्फोट किया था इसमें दो ब्रिटिश महिलाओं की मृत्यु हो गई थी अंग्रेजों ने खुदौराम बोस पर मुकदमा चलाया इस गिरफ्तारी के खिलाफ लोकमान्य तिलक ने अपने अखबार केसरी में लिखा उनके इस लेख ने अंग्रेजों के होश उड़ा दिए 3 जुलाई 1908 को अंग्रेजों ने तिलक को गिरफ्तार कर लिया और 23 जुलाई 1908 को उन्हें अदालत ने 6 साल की सजा सुनाई उन्हें बर्मा की मंडाले जेल में रखा गया सुजन धर्मा तिलक ने यहां 400 पेज का गीता रहस्य नामक ग्रंथ लिखा.

दुनिया को झकझोरने वाला भयंकर भूकंप

रूस के तटवर्ती इलाके कामचटका प्रायद्वीप में 8.8 तीव्रता का भयंकर भूकंप आया है, जिसका केंद्र जमीन से 19.3 किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप के आते ही 4 मीटर ऊंची सुनामी आयी, जिससे यहां के तटवर्ती इलाके की कई इमारतों को जबरदस्त नुकसान पहुंचा है। भूकंप के तुरंत बाद जापान में 16 जगहों पर सुनामी देखी गई और अमेरिका के कैलिफोर्निया तथा हवाई द्वीपों में हड़कंप की स्थिति मच गई। अमेरिका के हवाई द्वीप में 6 फीट ऊंची लहरें देखी गईं और जापान के 19 लाख लोगों पर भी इस भयावह भूकंप से विस्थापन का खतरा बढ़ गया है। रूस के साथ-साथ जापान और अमेरिका के कैलिफोर्निया तट पर इस भूकंप की तीव्रता का पता चलते ही सुनामी अलर्ट जारी किया गया। रूस के कूरिल आइलैंड में 2700 लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। जापान में 16 से ज्यादा जगहों पर 40 सेंटीमीटर ऊंची लहरें, जो प्रशांत के साथ दक्षिण दिशा की ओर बढ़ रही हैं, तुरंत देखी गईं। जापान के कई समुद्र तटों पर ढेल मछलियां बहकर आने लगीं। अमेरिका के होलोलू में भी तुरंत इसका असर दिखने लगा।



वर्षों में आर्कटिक और दूसरे बर्फीले क्षेत्रों में पिघले हैं, तो वहां की जमीन पर दबाव कम हो जाता है, जिससे आइसोटैटिक रिबाउंड होता है और यह भूगर्भीय प्लेटों में तनाव को बढ़ा सकता है, जिससे यह भूकंप को ट्रिगर कर सकता है। ग्लोबलवार्मिंग से समुद्र का जलस्तर बढ़ जाता है, समुद्र में पानी का वजन बढ़ने से भी महासागर की प्लेटों पर अतिरिक्त दबाव बनता है, जिस कारण सबडवर्शन जोन (जैसे कामचटका) में तनाव असंतुलन बढ़ सकता है।

प्रशासन ने समुद्र तट से लोगों को तुरंत बाहर जाने की चेतावनियां जारी कर दीं। जिस कारण भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई। जापान में इस भयावह भूकंप के बाद फुकीसीमा न्यूक्लियर प्लांट को तुरंत खाली कराया गया। सवाल है क्या यह भूकंप किसी ताकालिक मानवीय गलती से आया है, जैसे कोई परमाणु परीक्षण या ग्लोबलवार्मिंग? हालांकि ग्लोबलवार्मिंग सीधे तौर पर भूकंप का कारण नहीं बनती, लेकिन आन्वेष्य रूप से यह इसकी वजह बनती है। क्योंकि ग्लोबलवार्मिंग के कारण जब बड़े पैमाने पर ग्लेशियर पिघलते हैं, जैसे हाल के वर्षों में आर्कटिक और दूसरे बर्फीले क्षेत्रों में पिघले हैं, तो वहां की जमीन पर दबाव कम हो जाता है, जिससे आइसोटैटिक रिबाउंड होता है और यह भूगर्भीय प्लेटों में तनाव को बढ़ा सकता है, जिससे यह भूकंप को ट्रिगर कर सकता है। ग्लोबलवार्मिंग से समुद्र का जलस्तर बढ़ जाता है, समुद्र में पानी का वजन बढ़ने से भी महासागर की प्लेटों पर अतिरिक्त दबाव बनता है, जिस कारण सबडवर्शन जोन (जैसे कामचटका) में तनाव असंतुलन बढ़ सकता है।

- वीणा मोतम

संपादकीय बोर्ड

प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11980					डॉ. सागर खादीवाला				
1	2	3	4	5					
6				7	8				
		9							
14			15	16					
		17	18						19
20		21	22		23				
24					25				

अच्छा (उर्दू) 24. वह स्थान जहां विचार होने तक अभिव्यक्त को पहरे में रखा जाता है 25. भगवान, शिव
ऊपर से नीचे
1. जो मानवता या इंसानियत के प्रतिकूल हो 2. तिक्की (ताश), स्त्री 3. आदर सत्कार 4. राजा दशरथ के बड़े पुत्र 5. ऊंचे कुल का, पैतृक 8. मकान के आगे धूप से बचने के लिए टीन आदि का छजन 9. मध, मदिरा 12. अंधकार, पाप (सं.) 16. तीव्र गति वाला, शीघ्रता से 18. अस्तबल 19. उपकरण समूह, कारीगरों के यंत्र 20. इच्छा, अभिलाषा 22. मारा हुआ, ताड़ित (सं.) 23. मथानी, दही मथने की लकड़ी

Solution 11979									
नि	रा	शा	वा	द	अ	छा			
दा	नी		ता	क	शा	क			
न	च	य	न	ध	र				
	सु	म	न	सु	नी	ति			
च	र	क	स	रा	य				
ह	न	र	द						
क	मी	य	न	मो	ह	न			
ना	रा	घ	ण	चो	र	ना			

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में धार्मिक कार्यों में रूचि बढ़ेगी, यात्रा में वैचारिक वाद विवाद होगा, वर्ष के मध्य में मित्रों तथा प्रियजनों भाईयों का सहयोग, अचल संपत्ति के कार्यों में सफलता मिलेगी, दाम्पत्य जीवन में मधुरता रहेगी, कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी, कर्मचारियों का सहयोग बना रहेगा, वर्ष के अंत में परिवारिक समस्याओं में व्यस्तता रहेगी।

मेघ और वृश्चिक राशियों के व्यक्तियों को भाईयों और मित्रों का कार्यों में सहयोग बना रहेगा, अचल संपत्ति से लाभ होगा, दाम्पत्य

वर्ष- व्यापारिक लेन-देन में सावधानी बरतें, धोखा हो सकता है। झूठ बोलकर मुश्किल में पड़ सकते हैं। पारिवारिक सामंजस्य बना रहेगा। मित्रता लाभदायक सिद्ध होगी।
वृषभ- आत्मविश्वास की कमी से महत्वपूर्ण निर्णय लीबत होंगे। दूसरों की बातों में आकर अपनी को नाराज कर लेंगे। कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।
मिथुन- अटक काम दोस्तों को मदद से पूरे होंगे। निर्माण संबंधी कार्यों में प्रगति होगी। संतान संबंधी शुभ समाचार मिलेगा। कामकाज पूर्ण होने का योग प्रबल है।
कर्क- समय के साथ कार्यशैली में बदलाव करें। दूसरों पर निर्भर रहने के बजाय अपना काम स्वयं करें। साहस एवं पुरुषाध्य की वृद्धि होगी।

जीवन में मधुरता आयेगी, वृष और तुला राशियों के व्यक्तियों को यात्रा में सावधानी रखकर कार्य करना हितकर रहेगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को शारीरिक कष्ट रह सकता है, सिंह राशि के व्यक्तियों को सफलता मिलेगी, धनु और मीन राशियों के व्यक्तियों को मान प्रतियोग में वृद्धि होगी, मिथुन और कन्या राशियों के व्यक्तियों को अच्छा स्थान प्रद प्राप्त होगा, मकर और कुंभ राशियों के व्यक्तियों को कार्यक्षेत्र में परिश्रम बढ़ेगा।

सिंह- मन की बात करीबी से कह देने से तनाव कम होगा। दूसरों के मामले में हस्तक्षेप से बचें, प्रिय अतिथि का आगमन होगा।
कन्या- पुरानी गलती उजागर होने से नौचा देखना पड़ेगा। विरोधियों से सावधान रहें। मनोरंजन, भ्रमण, आमोद प्रमोद के साधनों की पूर्ति होगी। लाभ होगा।
तुला- समय पर काम पूरा नहीं होने से अधिकारियों की नाराजगी होलनी पड़ेगी। मानसिक संतुलन बना रहेगा। लाभदायक अवसर प्राप्त होने का योग है।
वृश्चिक- अपनों के व्यवहार से खिन्नता होगी। मामूली बातों को तुल देने से रिश्तों में दरार पड़ सकती है। शारीरिक पीडा हो सकती है। परिश्रम रहेगा।

आज जन्म शिशु का भविष्य

आज जन्म लिये बालक संकोची, एकांतप्रिय, परोपकारी तथा मधुरभाषी होगा। शिक्षा उत्तम रहेगी। नौकरियों में सफलता प्राप्त करेगा। जन्म स्थानसे दूर अपना भाग्योदय करेगा। आय के एक से अधिक साधन रहेंगे। माता पिता का भक्त होगा।

धनु- भाग्योदय के अवसर मिलेंगे। पुराने मामले सुलझे। धार्मिक कार्यों की रूपरेखा बनेगी। आजीविका प्रयासों में सफलता मिलेगी। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा।
मकर- व्यापारिक झूझटों लाभदायी रहेंगे। घरेलू सुझुद्धें पूरी करने के लिये कर्ज लेना पड़ सकता है। सुख सुविधाओं की पूर्ति होगी। संपर्क सूत्र बढ़ेंगे। स्वामिनी।
कुम्भ- वार्धि पर नियंत्रण रखें। अधिकारी काम की आलोचना करेंगे। परिणय चर्चाओं में सफलता है। सुख सुविधाओं की पूर्ति होगी। पारक्रम बना रहेगा।
मीन- यात्रा स्थगित करने पड़ेगी। सबको सलाह से आगे बढ़ना लाभदायी रहेगा। व्यापार व्यवसाय लाभदायक रहेगा। विवाहों को टालना हितकर रहेगा। श्रम अधिक रहेगा।

उत्पादकालीन ग्रह चाल

8		6		5
9	के.7 सू. चं. सू.	सू.		
	10			
	11	1	सू.	3
	12	तू.	2	

पंचांग

रा.मि. 10 संवत् 2082 श्रावण शुक्ल अष्टमी भृगुवासरे दिन-रात, स्वाती नक्षत्रे रात 3/36, साध्य योगे प्रातः 5/46, विष्टि करणे सू.उ. 5/24 सू.अ. 6/36, चन्द्रचार तुला, शू.रा. 7/9, 10, 1, 2, 5 अ.रा. 8, 11, 12, 3, 4, 6 शुभांक- 9, 2, 6.

व्यापार भविष्य

श्रावण शुक्ल अष्टमी को स्वाती नक्षत्र के प्रभाव से गेहूँ, जौ, चना, तिल, उड़क के भावों में मंदी होगी। सरसों, अरंडी, वनस्पति, घी, गुड़, शक्कर के भाव में घटावही रहेगी। जीरा, धनियां, लालमिर्च के भाव में समता रहेगी। वायदा विचार आज 11 बजकर 10 मिनट के रूख पर व्यापार कर लाभ उठावें। भाग्यांक 7163 हैं।